वेटरनरी यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

जबलपुर। आज दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के एनाटॉमी विभाग में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन वेटरनरी कॉलेज के सभागार में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ माननीय कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ. ए.पी. सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशु चिकित्सा और पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ आर.के. शर्मा, मंच पर सम्मेलन के संयोजक सचिव डॉ. राखी वैश्य, IAVA के अध्यक्ष डॉ. पी.वी.एस. किशोर तथा जनरल सेक्रेटरी डॉ. पवन कुमार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं मंचासीन के स्वागत से हुआ। मंचासीन अतिथियों द्वारा समापन समारोह में, लीड पेपर, विभिन्न 17 वैज्ञानिक सत्रों में प्रस्तुत किए गए शोध पत्र एवं पोस्टर के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। जिसमें विभिन्न तकनीकी सत्र के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध कार्यों को सम्मानित किया गया जिसमें डॉ. निधि गुप्ता, डॉ. पायल जैन, डॉ. राकेश कुमार बरहैया, डॉ. जसविंदर सिंह सासन, डॉ. मसूद अहमद जॉन, डॉ. अंकुर पांडे, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह तोमर, पाविजा जी कृष्णा, डॉ. तुलोमनी सील, डॉ. पटकी एच.एस., डॉ. प्रिय पचौरी, डॉ. जिज्ञासा राणा, डॉ. सुनील कुमार पाटिल, डॉ. ओम प्रकाश चौधरी शामिल थे। डॉ. शिखा सैनी को यंग साइंटिस्ट तथा डॉ. मनीष गौतम को बेस्ट एम.व्ही.एस.सी. थीसिस प्रदान किया गया।अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. एस.एस. तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में महान वैज्ञानिक शामिल हुए हैं और वेटरनरी एनाटॉमी के विभिन्न पहलुओं पर इस सम्मेलन पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया व चर्चा की गई जो कि भविष्य में पशुओं की बीमारी उनकी डायग्नोस्टिक तकनीक में सहायक होगी जो आज की मांग है उन्होंने

आगे कहा एनाटॉमी में अनुसंधान एवं विकास के साथ ही प्रोस्थेटिक डेवलपमेंट का बहुत महत्व है। उन्होंने इस सम्मेलन में पुरस्कार प्राप्त विजेताओं को, आयोजन समिति को बहुत बधाई दी और कहा कि की जो इस सम्मेलन के निष्कर्ष निकाल कर आएंगे वह बहुत ही फ्रूटफुल होंगे जो पशुपालन में कारगर सिद्ध होंगे। अपने उद्‌बोधन भाषण में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता ए.पी. सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहां यह सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पशु की संरचना जानकर ही पशु चिकित्सा क्षेत्र पर अच्छे से कार्य व अनुसंधान किया जा सकता है अतः यह सम्मेलन, इसका विषय तथा इसमें रखे गए विभिन्न तकनीकी सत्र शिक्षाविद, वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होंगे।

अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन हेतु बधाई दी। तथा कहा की इस सम्मेलन से शिक्षाविद, वैज्ञानिक निःसंदेह ही लाभान्वित हुए होंगे और वह नवाचार को आगे अपने शोध कार्य हेतु अपनाएंगे।

आई.ए.वी.ए. के अध्यक्ष डॉ. किशोर ने नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय तथा आयोजक समिति के सचिव डॉ. राखी वैश्य को इस वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु बहुत बधाई दी तथा अत्यंत खुशी जाहिर की कि अच्छी संख्या में वैज्ञानिक इस सम्मेलन में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने इस समिति की अब तक के वैज्ञानिक यात्रा को साझा किया तथा खुशी जाहिर की समिति प्रतिवर्ष बढ़ती ही जा रही है और अवार्ड इसमें जोड़ते जा रहे हैं। उन्होंने मंच से IAVA के आगामी होने वाले सम्मेलन 2026 का फ्लायर का विमोचन किया।

इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन में डॉ. राखी वैश्य, डॉ. एस.के. कारमोरे, डॉ. निधि गुप्ता, डॉ. पायल जैन, डॉ. आर.के. बारैया एवं डॉ. शशी टेकाम सहित कार्यक्रम हेतु आयोजित समितियां के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों व पशु चिकित्सा विभाग के स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी छात्र–छात्राओं का विशेष सहयोग रहा।

समापन कार्यक्रम में डॉ. मधु स्वामी, डॉ. शोभा जावरे, डॉ. अंजू नायक, डॉ. अपरा शाही, डॉ. देवेंद्र गुप्ता, डॉ. सोना दुबे एवं विभिन्न राज्यों से पधारे वैज्ञानिक, छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. निधि राजपूतन ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निधि गुप्ता ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर